खण्ड—स 2×14=28

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. बिहारी ने गागर में सागर भरने का प्रयास किया है। सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

11. रस किसे कहते हैं ? यह कितने प्रकार के होते हैं ? उल्लेख कीजिए।

12. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) यमक

(ब) भ्रान्तिमान

(स) कुण्डलिया

(द) काव्य-गुण

HD–01

June – Examination 2023

B.A. (Part–I) Examination

HINDI SAHITYA

[हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)]

Paper : HD-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ 7×2=14

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) चन्दवरदाई के प्रसिद्ध ग्रन्थ का नाम लिखिए। इसमें किस रस की प्राधानता है ?

(ii) अष्टछाप के **दो** संत कवियों के नाम लिखिए।

(iii) संत कबीर ने गुरु दीक्षा किससे ली थी ?

(iv) संत दादूदयाल की कविता पर किसका अधिक प्रभाव पड़ा ?

(v) जायसी की हिन्दी साहित्य में **दो** प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए।

(vi) मीरां की भक्तिभावना किस प्रकार की है ?

(vii) रामचरितमानस किस भाषा में रचित है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. केशवदास के काव्य में भावपक्ष की विशेषताएँ संक्षेप में बताइए।

3. प्रेम की तन्मयता रसखान के काव्य में देखने को मिलती है। स्पष्ट कीजिए।

4. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

जसोदा हरि पालने झुलावै।

हलरावै दुलरावै मल्हावै जोई सोई कछु गावै॥

मेरे लाल की आउ निंदरिया काहे न आनि सुवावै।

तू काहे नहिं बेगि सों आवै ताह कौं कान्ह बुलावै॥

के बहुँ पलक हरि मूँद लेत हैं अधर कबहुँ फरकावै।

सोवत जानि मौन है बैठी कर-कर सैन बतावै॥

इहि अन्तर अकुलाई उठे हरि जसुमति मधुरै गावै।

जो सुख सूर अमर मुनि दुर्लभ सो नंद भामिनि पावै॥

5. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै।

हँसि बोलन में छबि फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है व्है॥

लट लोल कपोल कलौल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।

अंग अंग तरंग उठै दुति की, परिहि मनौ रूप अबै धर च्वै॥

6. रहीम के काव्य में नीति सम्बन्धी तत्वों की विवेचना कीजिए।

7. जायसी का प्रेम वर्णन लौकिक से अलौकिक की ओर संकेत करता है। स्पष्ट कीजिए।

8. पद्मावती का चरित्र-चित्रण पृथ्वीराज रासो के आधार पर कीजिए।

9. घनानन्द के काव्य में चित्रित प्रेम की पीर को संक्षेप में समझाइए।